लेखाशास्त्र

अध्याय-9: वित्तीय विवरण-I

SHIVOM CLASSES 8696608541

वित्तीय विवरण (Financial Statements)

एक व्यवसाय के संचालन में वित्तीय एवं गैर वित्तीय (गुणात्मक) सूचनाओं का प्रयोग होता है । वित्तीय सूचनाएँ प्रमुखतः आर्थिक लेनदेनों से सम्बन्ध रखती है जबकि गैर वित्तीय सूचनाएँ मानवीय व्यवहार एवं व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों में गुणात्मक कुशलता से सम्बन्ध रखती हैं । वर्तमान लेखांकन प्रणाली में केवल वित्तीय व्यवहारों का लेखा सम्भव है । वित्तीय व्यवहारों के लेखांकन के माध्यम से अन्तिम रूप में वित्तीय विवरणों का निर्माण किया जाता है । जिनमें व्यवसाय से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण वित्तीय सूचनाएँ उपलब्ध करायी जाती हैं । इन सूचनाओं के आधार पर व्यवसाय से सम्बन्धित विभिन्न पक्षकार यथा प्रबन्धक, लेनदार, देनदार, सरकार, समाज, उपभोक्ता तथा अन्य सम्बन्धित कम्पनियाँ महत्त्वपूर्ण निर्णय ले सकती हैं।

वित्तीय विवरणों में निहित सूचनाएँ प्रबन्धकों के विभिन्न कार्यों के संचालन यथा योजना, संगठन, समन्वय, निर्देशन एवं नियन्त्रण में सहायक होती हैं । अतः यह आवश्यक है कि वित्तीय विवरणों के बारे में पूर्ण जानकारी हो । वित्तीय विवरण के महत्त्व को स्पष्ट करते हुए हेनरी फेयोल ने लिखा है कि वित्तीय विवरण किसी भी उपक्रम की आँखे होती हैं । अतः वित्तीय विवरणों को तैयार करने में पूर्ण सावधानी एवं सर्वमान्य सिद्धान्तों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

वित्तीय विवरणों का अर्थ

परम्परागत विचारधारा (Traditional Concept)

वित्तीय विवरण एक संस्था के किसी भी प्रलेख को कहा जा सकता है, जिसमें संस्था से सम्बन्धित आवश्यक वित्तीय सूचनाओं का वर्णन किया गया हो । हॉवर्ड तथा अप्टन के मतानुसार, "यद्यपि ऐसा औपचारिक विवरण जो मुद्रा मूल्यों में व्यक्त किया गया हो, वित्तीय विवरणों के नाम से जाना जा सकता है, लेकिन अधिकतर लेखांकन एवं व्यावसायिक लेखक इसका उपयोग केवल स्तिथि विवरण तथा लाभ-हानि विवरण के अर्थ में ही करते हैं ।" व्यवसाय में वित्तीय विवरण एक लेखा अवधि के अन्त में तैयार किये जाते हैं तथा इन वित्तीय विवरणों में स्तिथि विवरण तथा लाभ-हानि खाता प्रमुख होते हैं । इन विवरणों में यथा स्तिथि विवरण तथा लाभ-हानि विवरण के साथ कुछ अनुसूचियों का प्रयोग किया जाता है जो इन विवरणों में दिये गये आँकड़ों एवं सूचनाओं

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

के पूरक का कार्य करती है । विश्लेषण एवं निर्वचन की दृष्टि से इन अनुसूचियों को वित्तीय विवरणों का ही एक भाग माना जाता है । गुथमैन ने स्तिथि विवरण एवं लाभ-हानि खाते को ही वित्तीय विवरण में सम्मिलित किया है । जॉन एन. मायर के मतानुसार, "वित्तीय विवरण शब्द, जैसा कि आधुनिक व्यवसाय में प्रयुक्त होता है, दो विवरण जिनको कि लेखापाल व्यावसायिक संस्था के लिए एक निश्चित समयावधि के पश्चात तैयार करता है । ये विवरण स्थिति विवरण या वित्तीय स्थिति विवरण तथा आय विवरण या लाभ-हानि विवरण हैं ।"

अतः परम्परागत विचारधारा के अनुसार वित्तीय विवरणों में आर्थिक चिट्ठा, लाभ-हानि खाता एवं इनसे सम्बद्ध अनुसूचियों को सम्मिलित किया जाता है।

आधुनिक विचारधारा (Modern Concept)

आधुनिक समय में लेखांकन की प्रविधियों में पर्याप्त शोध एवं विकास का कार्य हुआ है । वर्तमान कुछ दशकों से कम्पनियाँ आर्थिक चिट्ठे एवं लाभ-हानि खाते के अतिरिक्त कोष प्रवाह विवरण, रोकड़ प्रवाह विवरण, मानव संसाधन लेखांकन, चालू लागत लेखांकन, मूल्य संवर्द्धन विवरण, सामाजिक चिट्ठा एवं सामाजिक लाभ-हानि विवरण, लाभदायक विवरण तथा शक्ति उपयोग एवं क्षमता उपयोग से सम्बन्धित विवरण भी तैयार करती है । इसके अतिरिक्त विभिन्न वित्तीय विवरण विभिन्न क्षेत्रों के लिए अलग से भी तैयार किये जाते हैं । अतः आधुनिक विचारधारा के अन्तगर्त उपर्युक्त सभी विवरणों को भी वित्तीय विवरणों का एक भाग ही माना जाता है।

अन्तरिम प्रतिवेदन (Interim Report)

प्रबन्धकों के उपयोग के लिए संस्था में विभिन्न विवरण प्रति वर्ष के स्थान पर प्रति माह, प्रति तीन माह या चार माह के पश्चात भी बनाये जा सकते हैं । इस प्रकार वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पूर्व वर्ष के बीच में बनाये गये विवरणों को अन्तिम प्रतिवेदन या विवरण (Interim Report or Statements) कहते हैं । अन्तिम प्रतिवेदन केवल प्रबन्धकों के उपयोग के लिए ही तैयार किये जाते हैं, क्योंकि ये विवरण वर्ष के मध्य काल्पनिक आधार पर बनाये जाते हैं।

वित्तीय विवरण की परिभाषा

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

जान मेयर के अनुसार," वित्तीय विवरण किसी व्यावसायिक उपक्रम के लेखों को सारांश के रूप मे प्रस्तुत करते है। आर्थिक चिट्ठा किसी निश्चित तिथि को संपत्तियों, दायित्वों एवं पूंजी की स्थिति को प्रकट करता है एवं आय विवरण किसी अवधि के संचालन परिणामों को प्रकट करता है।

एन्थोनी के शब्दों मे," वित्तीय विवरण किसी व्यावसायिक उपक्रम की एक निश्चित अवधि से संबंधित आर्थिक गतिविधियों के अन्तरिम प्रतिवेदन को कहते है।

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर निष्कर्ष रूप मे हम कह सकते है, कि वित्तीय विवरण का आशय आर्थिक चिट्ठा, लाभ-हानि खाता एवं आधिक्य विवरण से है। आर्थिक चिट्ठा, लाभ-हानि खाता एवं आधिक्य विवरणों से संबंधित अनुसूचियां एवं संचालकों तथा अंकेक्षण का प्रतिवेदन भी संबंधित व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को प्रदर्शित करता है।

वित्तीय विवरण की प्रकृति (Nature of Financial Statements)

सामान्य व्यक्ति यह समझता है कि किसी संस्था के प्रकाशित वित्तीय विवरणों में संस्था की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को वास्तविक एवं निरपेक्ष मूल्य पर दिखाया जाता है । परन्तु यह धारणा उचित नहीं है, क्योंकि वित्तीय विवरणों में उल्लेखित समंक लिपिबद्ध तथ्यों, लेखांकन परम्पराओं, स्वयंसिद्धियों तथा लेखापाल के व्यक्तिगत निर्णयों का सामुहिक परिणाम होते हैं । वित्तीय विवरणों की प्रकृति सम्बन्धी विशेषताएँ निम्नलिखित होती हैं

[1] लिपिबद्ध तथ्य (Recorded Facts) :- व्यावसायिक व्यवहारों का लेखा व्यावसायिक पुस्तकों में उसी तिथि को तथा उसी मूल्य पर किया जाता है जब वे व्यवहार किये जाते हैं । समय के व्यतीत होने के साथ-साथ ये लेखे ऐतिहासिक रूप धारण कर लेते हैं तथा इन्हीं लेखों की सहायता से वित्तीय विवरण तैयार किये जाते हैं । अतः वित्तीय विवरण लिपिबद्ध तथ्यों पर आधारित होते हैं।

[2] लेखांकन प्रथाएँ (Accounting Conventions) :-

वित्तीय विवरणों में लेखांकन प्रथाएँ महत्त्वपूर्ण स्थान रखती हैं । ये व्यावसायिक व्ययों का पूँजी एवं आगम व्ययों में विभाजन, ह्रास रीति का चुनाव, स्टॉक मूल्यांकन आदि लेखांकन प्रथाओं से प्रभावित होते हैं । अतः वित्तीय विवरणों में दिखाये गये तथ्य वास्तविक एवं निरपेक्ष नहीं होते हैं

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

। उदाहरण के लिए लेखांकन की सारता की प्रथा (Materiality Convention) के अनुसार कम मूल्य की वस्तुओं के क्रय जैसे पैन, स्टेशनरी, बल्ब आदि को उस वर्ष के आगम व्यय में सम्मिलित कर लिया जाता है, जबकि महँगी वस्तुओं के क्रय को जैसे मशीनरी, फर्नीचर आदि को सम्पत्ति में सम्मिलित किया जाता है।

[3] स्वयंसिद्धियाँ (Postulates) :-

वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय लेखापाल कुछ बातों को स्वयंसिद्ध मानकर चलता है चाहे उनकी सत्यता सन्देहजनक ही क्यों न हो । उदाहरणार्थ प्रत्येक लेखापाल देश की मुद्रा 'रुपये' का मूल्य मानकर चलता है तथा विभिन्न तिथियों को किये गये लेन-देनों में कोई अन्तर नहीं करता । इसी प्रकार व्यवसाय की चालू स्तिथि की मान्यता के आधार पर स्थायी सम्पत्तियों को उनके लागत मूल्य पर दर्शाया जाता है।

[4] व्यक्तिगत निर्णय (Personal Judgement) :-

वित्तीय विवरणों पर लेखापाल के व्यक्तिगत निर्णयों का भी प्रभाव पड़ता है । लेखांकन के बहुत से ऐसे क्षेत्र होते हैं जहाँ पर लेखांकन की अनेक वैकल्पिक पद्धतियाँ अपनाई जा सकती हैं । उदाहरणार्थ, स्टॉक के मूल्यांकन लागत या बाजार मूल्य दोनों में से जो कम हो उस पर किया जाता है, लेकिन स्टॉक की लागत की गणना प्रथम आगमन प्रथम निर्गमन (FIFO), अन्तिम आगमन प्रथम निर्गमन (LIFO) अथवा प्रमाप लागत, औसत लागत आदि आधारों पर की जा सकती है । इसमें से किस आधार को अपनाया जाए, यह लेखापाल के व्यक्तिगत निर्णय पर निर्भर करेगा।

[5] लेखांकन अवधारणाएँ (Accounting Concepts) :-

लेखांकन की विभिन्न अवधारणाएँ वित्तीय विवरणों के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं । लेन-देनों का सुद्ध लिपिबद्ध किया जाना, इन अवधारणाओं पर ही निर्भर करता है । मुद्रा-मापन की अवधारणा के आधार पर सभी लेन-देनों को मुद्रा में व्यक्त किया जाता है । चल संस्थान अथवा व्यवसाय को निरन्तरता अवधारणा व्यावसाय के भावी अस्तित्व पर जोर देता है । लागत अवधारणा सम्पत्तियों को लागत मूल्य पर प्रदर्शित करने पर बल देती है । वसूली अवधारणा,

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

उपार्जन अवधारणा एवं लेखांकन अवधि अवधारणा की सहायता से आय की राशि निश्चित होती है।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि वित्तीय विवरणों की प्रकृति मूलक अनेक विशेक्षताएँ हैं, जो वित्तीय विवरणों को समझने तथा इनके निर्माण में सहायक होती हैं।

अच्छे वित्तीय विवरण के आवश्यक तत्व या विशेषताएं

किसी भी संस्था के वित्तीय विवरणों मे अंशधारी, विनियोक्ता, वित्तीय संस्थायें, श्रमिक तथा अन्य वर्ग अपने-अपने उद्देश्य मे रूचि रखते है। अतः प्रबंध का यह उत्तरदायित्व है कि वह इन्हे इस प्रकार तैयार करे कि सभी उद्देश्यों की पूर्ति हो जाये। एक अच्छे वित्तीय विवरण मे यह आवश्यक तत्व या विशेषताएं होनी चाहिए-

1. तैयार करने मे सरल

जिन तथ्यों को वित्तीय विवरण मे सम्मिलित करना है वह सरलता से संस्था की लेखा पुस्तकों से मिल जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त वित्तीय विवरणों का आकार असाधारण रूप से बड़ा नही होना चाहिए।

2. बोधगम्यता

वित्तीय विवरणों मे दी जाने वाली सूचनाएं सरल, स्पष्ट, बोधगम्य होनी चाहिए जिन्हें एक साधारण व्यक्ति भी, जिसे लेखांकन के सिद्धांत का ज्ञान नही हो, आसानी से समझ सके। वित्तीय विवरणों का प्रारूप जटिल नही होना चाहिए तथा इनमें प्रयोग किये गये शब्द सरल, प्रचलित तथा गैर-तकनीकी होनी चाहिए।

3. विश्वसनीयता

वित्तीय विवरणों मे दी जाने वाली सूचनाएं विश्वसनीय होना चाहिए। वित्तीय विवरणों मे ऐसी सूचनायें ही दी जानी चाहिए जिनकी विश्वसनीयता को सत्यापित किया जा सके। सही निष्कर्षों पर पहुंचने के लिए सूचनाओं का शुद्ध होना बहुत आवश्यक होता है।

4. तुलनात्मकता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वित्तीय विवरण ऐसा होना चाहिए ताकि उसकी तुलना भूतकाल मे हुए क्रियाकलापों तथा वर्तमान क्रियाकलापों से की जा सके। वास्तव मे वित्तीय विश्लेषण का आधार तुलना ही होता है। हम यह भी कह सकते है कि वित्तीय विवरण इस तरह तैयार किये जाये जिससे चालू वर्ष की प्रगति की तुलना गत वर्ष से की जा सके।

5. तत्परता

वित्तीय विवरण एक निश्चित समयावधि के लिये तैयार किये जाते है। अतः इस अविधि के अंत मे इन्हें तैयार व अंकेक्षित करवाकर संबंधित पक्षों को जानकारी दे देनी चाहिए। यदि उचित समय पर इन्हें उपलब्ध नही कराया गया तो इनका सफलतापूर्वक उपयोग नही हो सकता। निष्कर्षस्वरूप यह कहा जा सकता है कि वित्तीय विवरणों मे तत्परता का भी गुण होना चाहिए।

6. पूर्ण संतुष्टि

वित्तीय विवरण ऐसा होना चाहिए जिससे व्यवसाय की आवश्यकता की पूर्ण संतुष्टि हो सके क्योंकि जब तक उससे पूर्ण संतुष्टि न हो तब तक उसका कोई भी महत्व नही होता।

7. आकर्षक

वित्तीय विवरण इस ढंग से बनाये जाने चाहिए, कि जो देखने मे आकर्षक लगें। इसके लिये महत्वपूर्ण तथ्य आकर्षक स्याही से रेखांकित कर दिये जाने चाहिए।

8. शुद्धता

वित्तीय विवरण सही आँकड़ों से तैयार किये जाने चाहिए, जिससे अध्ययनकर्ता अध्ययन के बाद व्यवसाय के संबंध मे सही जानकारी प्राप्त कर सकें।

9. अविलम्ब प्रकाशन

लेखा वर्ष की समाप्ति के बाद वित्तीय विवरणों को प्रकाशित कर दिया जाना चाहिए। विलम्ब से प्रकाशित वित्तीय विवरणों की उपादेयता समाप्त हो जाती है एवं इनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सूचनाएं एवं समंक अप्रासंगिक हो जाते है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वित्तीय विवरण के उद्देश्य

वित्तीय विवरणों का मूल उद्देश्य व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को दर्शाना और निर्णय लेने हेतु उपयोगी सूचनाएं प्रदान करना है। विस्तृत रूप से वित्तीय विवरण के उद्देश्यों को निम्न प्रकार रखा जा सकता है

1. वित्तीय सूचनाएं प्रदान करना

वित्तीय विवरणों का प्रारम्भिक उद्देश्य व्यवसाय के संबंध मे विभिन्न और विश्वसनीय वित्तीय सूचनाएं प्रदान करना है।

3. वित्तीय स्थिति की जानकारी

वित्तीय विवरणों का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य व्यावसायिक इकाई के आर्थिक संसाधनों (संपत्तियों) तथा दायित्वों के संबंध मे विस्तृत एवं विश्वसनीय सूचनाएं प्रदान करना है।

4. वित्तीय स्थिति मे परिवर्तन की जानकारी

वित्तीय विवरणों का एक उद्देश्य यह भी होता है कि एक निश्चित अवधि मे वित्तीय संसाधनों एवं दायित्वों मे होने वाले परिवर्तनों को स्पष्ट करे। इसी दृष्टि से रोकड़ प्रवाह विवरण, कोष प्रवाह विवरण और विभिन्न अनुसूचियों को वित्तीय विवरणों मे शामिल किया जाता है।

5. वित्तीय पूर्वानुमान मे सहायता

वित्तीय विवरणों का एक उद्देश्य ऐसी सभी आवश्यक सूचनाएँ उपलब्ध कराना भी है जिनके आधार पर विश्वसनीय वित्तीय पूर्वानुमान लगाए जा सकें।

6. प्रयोगकर्ताओं के लिए विविध सूचनाएं

वित्तीय विवरणों का उद्देश्य यह भी होता है कि विवरणों के विभिन्न प्रयोगकर्ताओं, जैसे-- विनियोगकर्ताओं, लेनदारों, वित्तीय संस्थाओं, स्कन्ध विपणि, शोधकर्ताओं इत्यादि की दृष्टि से भी यथा संभव पर्याप्त सूचनाएं प्राप्त हो सके।

वित्तीय विवरणों की सीमाएं

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वित्तीय विवरण संस्था मे हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए काफी महत्वपूर्ण होते है, किन्तु कुछ ऐसी भी बातें है, जिनके माध्यम से हमें इनकी सीमाओं का पता चलता है। वित्तीय विवरण की मुख्य सीमाएं इस प्रकार है-

1. अत्यधिक सूक्ष्मता का अभाव

वित्तीय विवरणों के तथ्यों मे बहुत अधिक सूक्ष्मता नही होती है। क्योंकि इनकी विषय सामग्री ऐसे मामलों से संबंधित है जिसे सूक्ष्मता को व्यक्त नही किया जा सकता है। ये तथ्य लेखांकन मान्यताओं व प्रथाओं पर आधारित होते है।

2. गैरे-मौद्रिक तथ्यों का समावेश न होना

वित्तीय विवरण व्यवसाय का सही चित्र प्रस्तुत नही करते है। क्योंकि इनमें केवल मौद्रिक तथ्यों को ही सम्मिलित किया जाता है जबकि गैर-मौद्रिक तत्व भी व्यवसाय को प्रभावित करते है। उदाहरण के लिए व्यवसाय की साख, कर्मचारियों का मनोबल, प्रबंध की कुशलता आदि। लेकिन इन तत्वों को वित्तीय विवरण मे नही दर्शाया जाता है।

3. ऐतिहासिक प्रलेख

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक प्रलेख होते है। अतः व्यवसाय की वर्तमान स्थिति का सही चित्रण नही करते है।

4. भूतकालीन घटनाओं पर आधारित

वित्तीय विवरण भूतकालीन घटनाओं पर आधारित होते है। भविष्य के बारे मे जानकारी नही देते है।

5. ऊपरी दिखावे

वित्तीय विवरणों मे ऊपरी दिखावे का सहारा लेकर संस्था की स्थिति को वास्तविकता से अधिक अच्छा दिखाया जा सकता है।

6. अन्तरिम प्रतिवेदन

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वित्तीय विवरण अन्तरिम प्रतिवेदन होते है क्योंकि व्यवसाय के वास्तविक लाभ की जानकारी व्यवसाय के समाप्त होने के बाद ही जानी जा सकती है।

7. मूल्य परिवर्तन को न दर्शाना

वित्तीय विवरण मूल्य परिवर्तनों को नही दर्शाते। अतः विभिन्न वर्षों के वित्तीय विभागों मे दिखाए गए तुलनीय नही होते है।

8. व्यक्तिगत पक्षपात एवं ज्ञान से प्रभावित

वित्तीय विवरणों के समंक मूक होते है, उनसे कुछ भी निष्कर्ष निकाला जा सकता है, अतः इनके आधार पर निकाले गए निष्कर्षों मे प्रयोगकर्ता की व्यक्तिगत भावनाओं एवं ज्ञान का प्रभाव पड़ता है।

वित्तीय विश्लेषण का अर्थ

किसी भी व्यवसाय द्वारा जो वित्तीय लेखे, विवरण तथा प्रतिवेदन प्रकाशित किये जाते है, उनका विश्लेषण ही वित्तीय विश्लेषण कहलाता है। प्रकाशित किये जाने वाले प्रलेखों मे स्थिति विवरण, लाभ-हानि खाता, संचालकों का प्रतिवेदन, अध्यक्ष का भाषण एवं अंकेक्षण के प्रतिवेदन को उसी रूप मे रहने दिया जाए जिस रूप मे वह तैयार किये गये थे तो उनसे कोई निष्कर्ष नही निकलेगा। इन लेखों तथा प्रतिवेदनों का विश्लेषण और निर्वाचन करके महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाले जा सकते है एवं यही वित्तीय विश्लेषण कहलाता है।

फिरे एवं मिलन के अनुसार," वित्तीय विश्लेषण मे निश्चित योजनाओं के आधार पर तथ्यों को विभाजित करने, परिस्थितियों के अनुसार उसकी वर्ग रचना करने एवं सुविधाजनक, सरल, पठनीय तथा समझने लायक रूप मे उन्हे प्रस्तुत करने की क्रियाएं होती है।

आर. डी. कैनेडी एवं मेकमूलर के अनुसार," वित्तीय विवरणों का विश्लेषण एवं निर्वाचन वित्तीय विवरणों मे समंको की महत्ता एवं अर्थ को निर्धारित करने का एक प्रयत्न है ताकि भावी अर्जन, देय ऋणों और ब्याज की भुगतान क्षमता तथा एक सुदृढ़ लाभांश नीति की लाभप्रदता की सम्भावनाओं का पूर्वानुमान लगाया जा सके। "

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वित्तीय विश्लेषण का क्षेत्र

वित्तीय विश्लेषण का क्षेत्र इस प्रकार है-

1. लाभदायकता

इस बात की जानकारी प्राप्त करना कि व्यवसाय मे जितनी पूँजी लगी है, उस हिसाब से लाभ पर्याप्त मात्रा मे हो रहे है या नही। क्या पूंजी को अन्य स्थान मे पर लगाकर ज्यादा लाभ प्राप्त किये जा सकते है?

2. सुरक्षा तथा शीधन क्षमता

इस बात की जानकारी प्राप्त करना कि पूंजी तथा ऋण किस सीमा तक सुरक्षित है, कंपनी लेनदरों के ऋण चुकाने की स्थिति मे है या नही।

3. वित्तीय दृढ़ता

इस बात की जानकारी प्राप्त करना कि कंपनी वित्तीय दृष्टि से सुदृढ़ है, क्या संस्था वित्तीय स्थिति को मजबूत करने हेतु आंतरिक वित्त प्रबंध का सहारा लेगी, क्या कंपनी की भविष्य मे कोई विस्तार योजना है तथा इसके लिए वित्य प्रबंध का सहारा लेगी।

4. प्रवृत्ति

इस बात की जानकारी प्राप्त करना कि व्यवसाय के लाभ तथा विक्रय मे नीचे जाने की प्रवृत्ति है या ऊपर जाने की।

5. स्वामित्व अथवा प्रबंध क्षमता

इस बात की जानकारी प्राप्त करना कि व्यवसाय का प्रबंध किनके हाथ मे है, प्रबंधकों के हाथों मे व्यवसाय का भविष्य सुरक्षित है, संपत्तियों का प्रबंध किस तरह की पूंजी से किया जा रहा है, पूंजी की मात्रा आवश्यकता से कम है या ज्यादा।

वित्तीय विश्लेषण के उद्देश्य

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

भिन्न-भिन्न वर्गों की दृष्टि से विश्लेषण के उद्देश्य भिन्न-भिन्न हो सकते है। वित्तीय विश्लेषण के उद्देश्य इस प्रकार हैं-

1. प्रबंधक वर्ग

व्यवसाय का संचालन तथा नियंत्रण करने वाले प्रबंधक कहलाते है। प्रबंधक वर्ग वित्तीय विवरणों का विश्लेषण इस उद्देश्य से करते है ताकि ऐसी सूचनाएं प्राप्त की जा सकें जिससे व्यवसाय की कुशलता तथा लाभार्जन शक्ति का माप किया जा सके, विभिन्न विभागों की सफलता या असफलता का मूल्यांकन किया जा सके एवं इसी तरह के व्यवसायों अथवा उद्योगों से अपने व्यवसाय की तुलना की जा सके।

2. विनियोजक

विनियोजक की श्रेणी मे कंपनी के अंशधारी तथा दीर्घकालीन ऋणदाता आते है। अंशधारियों का कंपनी मे स्थायी हित होता है। इसका प्रमख उद्देश्य मूलधन की सुरक्षा एवं उस पर पर्याप्त आय प्राप्त करना है। ऋणपत्रधारी संस्था की दीर्घकालीन शोधन क्षमता के बारे मे पूर्ण जानकारी चाहते है। वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का उद्देश्य अंशधारियों द्वारा संस्था की लाभ अर्जन क्षमता की जानकारी प्राप्त करना, विनियोजक की आय तथा सुरक्षा की जानकारी प्राप्त करना एवं प्रबंधकों की कुशलता का माप करना होता है। ऋणपत्रधारी मूलधन एवं ब्याज देने की क्षमता की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से विश्लेषण करते है।

3. कर्मचारी

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण मे कर्मचारी इसलिए रूचि रखते है, ताकि संस्था की वित्तीय स्थिति तथा लाभअर्जन क्षमता की जानकारी प्राप्त कर सकें क्योंकि वेतन वृद्धि, बोनस पदोन्नति आदि प्रश्न इससे जुड़े रहते है।

4. बैंक तथा वित्तीय संस्थाएं

बैंक तथा वित्तीय संस्थाओं द्वारा विश्लेषण का उद्देश्य संस्था की वित्तीय सुदृढ़ता की जानकारी प्राप्त करना होता है, क्योंकि ये संस्थाएं बहुत कम ब्याज पर ऋण देती है तथा अपने ऋणों की सुरक्षा के प्रति काफी चिंतित रहती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

5. सरकार

सरकार वित्तीय विवरणों के विश्लेषणों से व्यावसायिक संस्थाओं की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करती है।

6. अन्य वर्ग

ग्राहक, व्यावसायिक प्रतिद्वंदी, विक्रेता, वितरक, जनसाधारण, शोधकर्ता, पत्रकार, राजनीतिज्ञ आदि भी अपने-अपने उद्देश्यों हेतु वित्तीय विवरणों का विश्लेषण करते है।

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के प्रकार

विभिन्न पक्षकार विभिन्न उद्देश्यों के लिए विभिन्न आधारों पर वित्तीय विवरणों का विश्लेषण कर सकते है। कुल मिलाकर वित्तीय विवरण विश्लेषण के निम्न प्रकार हो सकते है-

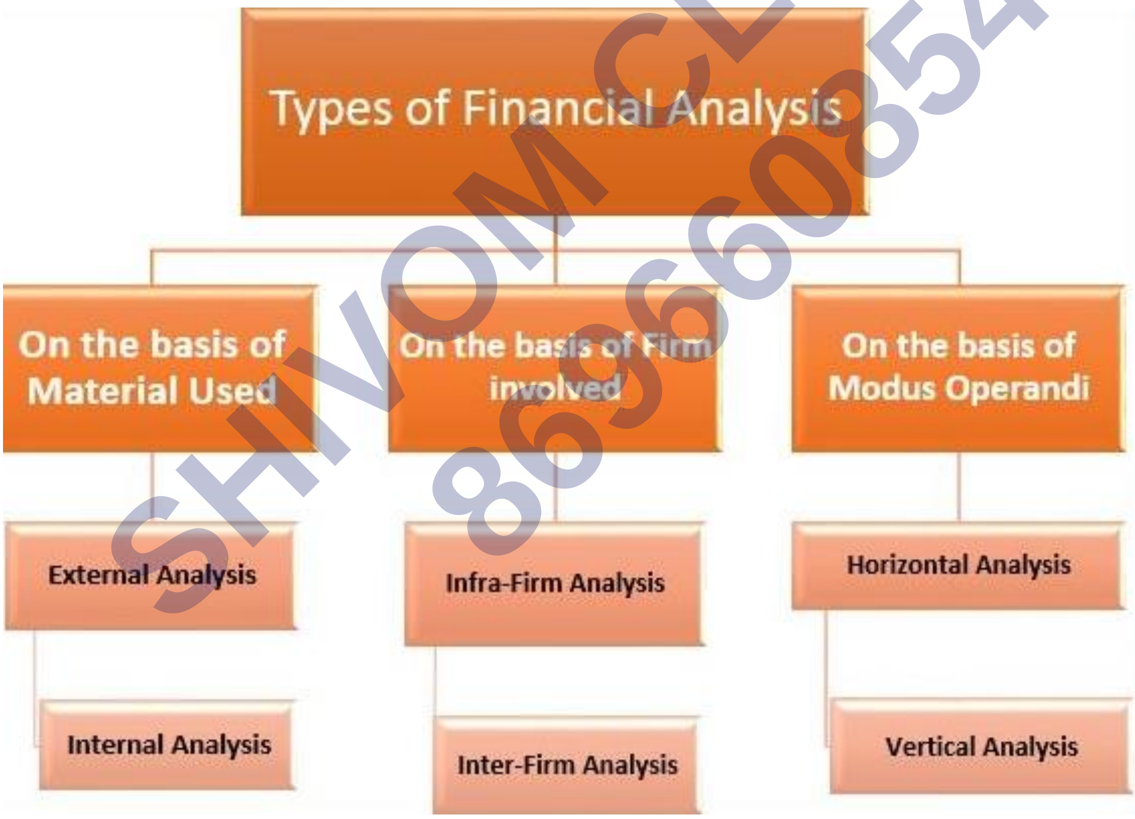

(अ) विश्लेषण की प्रकृति एवं प्रयुक्त सामग्री के आधार पर

इस आधार पर वित्तीय विवरण विश्लेषण निम्न दो प्रकार का हो सकता है-

1. बाहरी विवरण

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

यह विश्लेषण उन व्यक्तियों या पक्षकारों द्वारा किया जाता है, जो उपक्रम से जुड़े नही होते अर्थात् जिनकी उपक्रम के विस्तृत रिकार्ड तक पहुंच नही होती। इसका विश्लेषण मुख्यतः प्रकाशित लेखों, संचालक रिपोर्ट तथा अंकेक्षण रिपोर्ट पर आधारित होता है। विनियोक्ता, स्ख एजेन्सियों, सरकार एजेन्सियों तथा शोधकर्ता इसी प्रकार का विश्लेषण करते है।

यह भी पढ़ें; वित्तीय विश्लेषण का अर्थ, क्षेत्र, उद्देश्य

2. आन्तरिक विश्लेषण

यह विश्लेषण उन व्यक्तियों के द्वारा किया जाता है जिनकी उपक्रम की लेखा पुस्तकों तक पुहंच होती है। ये व्यक्ति संगठन/उपक्रम के सदस्य होते है। प्रबंध द्वारा उपक्रम की वित्तीय स्थिति तथा कार्यकुशलता के लिए किया जाने वाला विश्लेषण इसी वर्ग मे आता है।

सामान्यतः आन्तरिक विश्लेषण अधिक विस्तृत एवं विश्वसनीय होता है, क्योंकि इसमे विश्लेषक को सभी प्रकार की आवश्यक सूचनाएँ आसानी से उपलब्ध हो जाती है।

(ब) विश्लेषण के उद्देश्य के आधार पर

इस आधार पर भी वित्तीय विवरण विश्लेषण निम्न दो प्रकार का हो सकता है-

1. दीर्घकालीन विश्लेषण

दीर्घकालीन वित्तीय नियोजन की दृष्टि से किया जाने वाला विश्लेषण दीर्घकालीन विश्लेषण कहलाता है। इसमे फर्म की दीर्घकालीन शोधनक्षमता, लाभदायकता तथा वित्तीय स्थायित्व से संबंध मे विश्लेषण किया जाता है।

2. अल्पकालीन विश्लेषण

इसके अंतर्गत अल्पकाल मे शोधनक्षमता, तरलता, स्थायित्व तथा लाभदायकता, इत्यादि की दृष्टि से विश्लेषण किया जाता है।

(स) कार्यविधि के आधार पर

कार्यविधि के आधार पर विश्लेषण के निम्न दो प्रकार होते है-

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

1. क्षैतिज या गतिशील विश्लेषण

यह विश्लेषण एक ही फर्म के विभिन्न वर्षों के विवरणों के आधार पर किया जाता है अतः इसे " काल माला विश्लेषण " या अंतर फर्म विश्लेषण भी कहते है। दीर्घकालीन प्रवृत्ति विश्लेषण एवं नियोजन की दृष्टि से यह विश्लेषण काफी उपयोगी होता है। तुलनात्मक वित्तीय विवरण, प्रवृत्ति विश्लेषण, कोष प्रवाह विश्लेषण, रोकड़ प्रवाह विश्लेषण, इत्यादि इस प्रकार के विश्लेषण के ही उदाहरण है।

2. लम्बवत या स्थिति विश्लेषण

इस विश्लेषण मे एक विशिष्ट वर्ष के वित्तीय विवरणों के आधार पर ही विश्लेषण किया जाता है। इस प्रकार का विश्लेषण एक निश्चित तिथि पर वित्तीय समंकों का विश्लेषण करता है। अतः इसे स्थिति विश्लेषण भी कहते है। इस विश्लेषण के आधार पर एक वर्ष मे एक उपक्रम के विभिन्न विभागों या विभिन्न उपक्रमों का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है। इस दृष्टि से इसे कास-सैक्शन विश्लेषण भी कहा जाता है।

वित्तीय विश्लेषण के लाभ या महत्व

1. प्रबंधक वर्ग को लाभ

प्रकाशित लेखों के विश्लेषण का लाभ सर्वप्रथम उन व्यक्तियों के लिए है जो व्यवसाय का संचालन तथा नियंत्रण करते है। प्रबंधक विश्लेषण से ऐसे सूचनाएं प्राप्त करते है जिनसे व्यवसाय की कुशलता तथा लाभार्जन शक्ति का माप किया जा सकता है एवं व्यवसाय के सुचारू संचालन के लिए विवेकपूर्ण निर्णय लिये जा सकते है।

2. ऋण प्राप्ति मे सुविधा

किसी भी कंपनी को ऋण तभी मिल सकता है जबकि ऋणदाता को कंपनी की आर्थिक स्थिति पर पूर्ण विश्वास हो जाए। वित्तीय विश्लेषण के द्वारा कंपनी की आर्थिक स्थिति की सही-सही जानकारी हो सकती है तथा इससे कंपनी को ऋण प्राप्त करने मे सुविधा होती है।

3. विभिन्न वर्षों के वित्तीय परिणामों की तुलना

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वित्तीय विवरण के विश्लेषण के कारण विभिन्न वर्षों के लाभ, लागत व्यय एवं अन्य वित्तीय परिणामों की आसानी से तुलना की जा सकती है। इसके अलावा संस्था के विभिन्न विभागों की तुलनात्मक स्थिति की भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

4. वैज्ञानिक प्रबंध मे सुविधा

वित्तीय विश्लेषण मे हमे काफी उपयोगी सूचनाएं प्राप्त होती है, जिससे वैज्ञानिक प्रबंध मे काफी सुविधा होती है।

5. क्रय, विक्रय तथा व्यय के पूर्वानुमान लगाने मे सहायक

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से जो पिछले वर्षों के क्रय-विक्रय तथा व्यय के आंकड़े प्राप्त होते है, उनके आधार पर क्रय-विक्रय और व्यय के संबंध मे भावी पूर्वानुमान आसानी से लगाये जा सकते है।

6. अपव्ययों पर नियंत्रण

वित्तीय विश्लेषण से इस बात की भी जानकारी हो जाती है कि हमारे लाभ तथा लागत व्यय बढ़ रहे है या घट रहे है। लागत व्यय के बढ़ने की स्थिति अपव्ययों को रोकने के संबंध मे सोचा जा सकता है।

7. स्कंध विपणि

जिन कंपनियों के अंशो का क्रय-विक्रय स्कन्ध विपणि के माध्यम से होता है, वे अपने प्रकाशित लेखे स्कंध विपणि को भेजती है जहां उनका विश्लेषण किया जाता है तथा अन्य सदस्यों को निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराये जाते है। इस तरह इन संस्थाओं की वित्तीय तथा कार्यात्मक गतिविधियों का ज्ञान सर्वसाधारण को होता रहता है।

8. बैंक तथा वित्तीय संस्थाएं

बैंक तथा वित्तीय संस्थाएं भी प्रकाशित लेखा के विश्लेषण द्वारा संस्था की ऋण भुगतान क्षमता की जानकारी प्राप्त करते है।

9. व्यापारिक लेनदार

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

व्यापारिक लेनदारों का संबंध अल्पकाल हेतु होता है जिनका भुगतान अल्पकाल मे करना होता है। ये व्यक्ति कंपनी की तरलता एवं अल्पकालीन दायित्वों का भुगतान करने की क्षमता के बारे मे जानकारी चाहते है जो वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से प्राप्त होती है।

वित्तीय विश्लेषण की सीमाएं

वित्तीय विवरणों का विश्लेषण किसी भी उपक्रम की वित्तीय कार्यकुशलता एवं वित्तीय स्थिति का महत्वपूर्ण मापदण्ड है, लेकिन व्यवहार मे इसकी कुछ सीमाएं भी है, जिन्हें इनके प्रयोगकर्ता को ध्यान मे रखनी चाहिए। वित्तीय विवरण विश्लेषण की मुख्य सीमाएं इस प्रकार से है-

1. वित्तीय विवरणों की ऐतिहासिक प्रकृति

वित्तीय विवरणों की मूल प्रकृति यह है कि यह बीती हुई अवधि के होते है। यह विवरण भविष्य के लिए संकेत तो बन सकते है, लेकिन यह नही कहा जा सकता कि आधार पर किए गए पूर्वानुमान शत-प्रतिशत सही होगें।

2. विश्लेषण रीतियों की सीमाएं

वित्तीय विवरणों की विश्लेषण की अनेक विधियां है। किस परिस्थिति मे कौन-सी विधि प्रयोग की जाए, यह विश्लेषणकर्ता के अनुभव एवं योग्यता पर निर्भर करती है। यदि इनके चुनाव मे गलती हो जाए तो निष्कर्ष भ्रमपूर्ण हो सकते है।

3. विशेषज्ञ ज्ञान की आवश्यकता

वित्तीय विश्लेषण मे विधियों के प्रयोग करने तथा उनसे उचित निष्कर्ष निकालने के लिए विशेषज्ञ ज्ञान की आवश्यकता होती है। विशेषज्ञ ज्ञान के अभाव मे अनुपयुक्त रीतियों का प्रयोग हो सकता है तथा दोषपूर्ण निष्कर्ष निकाले जा सकते है।

4. समंको की विश्वसनीयता

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की विश्वसनीयता उन विवरणों के समंको की विश्वसनीयता पर निर्भर करती है। यदि आय विवरण के समंको मे हेराफेरी की गयी है अथवा चिट्ठे के समंकों मे संपत्तियों

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

के मूल्यांकन इत्यादि मे उचित नीतियों को नही अपनाया गया है तो विश्लेषण की विश्वसनीयता भि प्रभावित होगी।

5. विभिन्न निर्वाचन

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण से प्राप्त परिणामों का विभिन्न प्रयोगकर्ता विभिन्न प्रकार से निर्वचन कर सकता है। उदाहरण के लिए चालू अनुपात का अधिक होना माल आपूर्तिकर्ता या बैंकर इत्यादि के लिए अच्छा हो सकता है, लेकिन प्रबन्धकीय कुशलता से इस बात का प्रतीत हो सकता है कि कोषों का समुचित प्रयोग नही किया जा रहा या स्टाक की मात्रा अनावश्यक रूप से अधिक है या देनदारों से वसूली कुशलता से नही हो रही।

6. लेखांकन विधियों मे परिवर्तन

यदि विभिन्न वर्षों मे लेखांकन विधियों (स्टाक का मूल्यांकन, ह्रास की विधि इत्यादि) मे परिवर्तन होता है तो समंकों की तुलनीयता मे कमी आ जाती है और निष्कर्ष मर्यादित हो जाते है।

7. विभिन्न फर्मों से तुलना की सीमाएं

विभिन्न फर्मों के वित्तीय विवरणों की तुलना से उसी समय उचित निष्कर्ष निकल सकते है, जबकि फर्मों की कार्य प्रकृति, संगठन संरचना एवं लेखांकन पद्धति समान हो अन्यथा विश्वसनीय तुलना नही हो सकती।

8. मूल्य परिवर्तनों का प्रभाव

यदि मूल्य परिवर्तनों के प्रभावों को उचित रूप से समायोजित नही किया जाता तो वित्तीय विवरण के विश्लेषण भ्रमपूर्ण निष्कर्ष दे सकते है उदाहरण के लिए, सन् 2003 मे बिक्री 2,00,000 रुपये की थी जो सन् 2004 मे 2,40,00 रूपये हो गयी तो निष्कर्ष निकल सकता है कि बिक्री मे 20% की वृद्धि हो गयी है, लेकिन यदि विक्रय की जाने वस्तुओं के मूल्यों मे 25% की वृद्धि हो गयी हो तो 2,40,000 रूपये की बीक्री 2003 के मूल्यों के आधार पर 1,92,000 रुपये की बिक्री ही रह जायेगी।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

यह उल्लेखनीय है कि उपर्युक्त सीमाएं वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के महत्व को कम नही करती है, वरन् इस बात पर जोर देती है कि विश्लेषण एवं नियोजन मे उचित सावधानियाँ रखी जानी चाहिए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 387 - 396)

लघु उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 वित्तीय विवरणों को तैयार करने के क्या उद्देश्य होते हैं?

उत्तर – वित्तीय विवरणों को तैयार करने के दो मूलभूत उद्देश्य होते हैं:

1. व्यापार के वित्तीय निष्पादन का सत्य व स्पष्ट प्रस्तुतीकरण
2. व्यापार की वित्तीय स्थिति का सत्य व स्पष्ट प्रस्तुतीकरण।

प्रश्न 2 व्यापारिक तथा लाभ और हानि खाता को तैयार करने के क्या उद्देश्य हैं?

उत्तर – व्यापारिक खाता बनाने के उद्देश्य:

1. सकल लाभ की दर ज्ञात करना
2. प्रत्यक्ष खर्चों की जानकारी प्राप्त करना
3. सकल लाभ की दर का तुलनात्मक अध्ययन करना तथा व्यापार में हुए शुद्ध क्रय, शुद्ध विक्रय एवं रहतिये की जानकारी प्राप्त करना।

लाभ-हानि खाता तैयार करने के उददेश्य:

1. सम्बन्धित वित्तीय वर्ष की वास्तविक लाभ या वास्तविक हानि की जानकारी ज़ात करना।
2. शुद्ध लाभ की दर ज़ात करना।
3. लाभ-हानि की सहायता से भविष्य की योजनाएँ बनाना।
4. तुलनात्मक अध्ययन करना।
5. समस्त अप्रत्यक्ष व्ययों की जानकारी प्राप्त कर इन व्ययों में कमी करने की योजना बनाना।

प्रश्न 3 बेचे गये सामान की लागत की आवधारणा की व्याख्या करें।

उत्तर – बेचे गये सामान की लागत की आवधारणा:

(1) यदि कोई प्रारम्भिक अथवा अन्तिम स्टॉक नहीं है तो:

SHIVOM CLASSES 8696608541

बेचे गये माल की लागत = क्रय + प्रत्यक्ष व्यय

(2) यदि प्रारम्भिक स्टॉक न हो लेकिन अन्तिम स्टॉक हो तो

बेचे गये माल की लागत = क्रय + प्रत्यक्ष व्यय - अन्तिम स्टॉक

(3) यदि प्रारम्भिक एवं अन्तिम स्टॉक दोनों हों तो

बेचे गये माल की लागत = प्रारम्भिक स्टॉक + क्रय + प्रत्यक्ष व्यय - अन्तिम स्टॉक

प्रश्न 4 एक तुलन-पत्र क्या है? इसके क्या गुण होते हैं?

उत्तर – तुलन-पत्र (Balance Sheet): तुलन-पत्र किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान की परिसम्पत्तियों तथा दायित्वों को दर्शाने वाला एक विवरण है जो उसकी आर्थिक अवस्था को प्रदर्शित करता है। किसी दी गयी तिथि में तुलन-पत्र में मौजूदा सूचनाएँ उस तिथि के लिए ही सत्य होती हैं।

तुलन-पत्र के गुण:

1. तुलन-पत्र अन्तिम खाते का एक भाग है परन्तु यह खाता नहीं है, यह केवल एक विवरण है।
2. तुलन-पत्र में परिसम्पत्तियों का योग हमेशा दायित्व के बराबर होता है।
3. तुलन-पत्र खाता के समीकरण को प्रदर्शित करता है।
4. तुलन-पत्र में उन खातों के शेष लिये जाते हैं जो व्यापार खाते एवं लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित नहीं हुए हों।
5. तुलन-पत्र में दर्शायी गई सम्पत्तियाँ एवं दायित्व निश्चित तिथि को व्यापार में विद्यमान होती हैं।

प्रश्न 5 पूँजी तथा आगम व्यय के मध्य क्या भेद हैं और नीचे दिये गये कथनों के विवरण में कौन से कथन पूँजी अथवा आगम व्यय मदों के हैं

(अ) पुराने भवन के क्रय के बाद उसे उपयोग हेतु तैयार करने के लिये उसकी मरम्मत तथा सफेदी पर व्यय।

(ब) सरकार के अदेशानुसार एक सिनेमा हाल में एक से अधिक निकास बनाने पर आया व्यय।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(स) भवन को खरीदते समय दिये गये पंजीकरण शुल्क।

(द) चाय के बागान की देखभाल पर आया व्यय, जो चार साल के बाद चाय का उत्पादन करेगा।

(ध) संयंत्र पर आया ह्रास।

(य) एक प्लेटफार्म जिस पर मशीन को लगाने में आया व्यय।

(र) विज्ञापन पर किया गया व्यय जिसका लाभ चार साल तक आयेगा।

उत्तर – पूँजी तथा आगम व्यय में अन्तर-पूँजीगत व्यय (Capital Expenditure) स्थायी सम्पत्तियों को क्रय करने हेतु, उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि करने हेतु, व्यवसाय की लाभार्जन क्षमता को दो या अधिक वर्षों तक बढ़ाने के लिए किये जाते हैं। इनका लाभ एक से अधिक लेखा अवधियों तक मिलता है।

जबकि आयगत व्यय (Revenue Expenditure) व्यवसाय के संचालन के लिए तथा स्थायी सम्पत्तियों की कार्यक्षमता बनाये रखने के लिए किये जाते हैं। इन व्ययों का लाभ एक ही लेखा अवधि में प्राप्त हो जाता है।

कथनों के विवरण:

(अ) पूँजी व्यय

(ब) पूँजी व्यय

(स) पूँजी व्यय

(द) पूँजी व्यय

(ध) आगम व्यय

(य) पूँजी व्यय

(र) स्थगित पूँजी व्यय।

प्रश्न 6 प्रचालन लाभ क्या है?

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – प्रचालन लाभ (Operating Profit): व्यवसाय के सामान्य प्रचालन या संचालन एवं क्रियाओं द्वारा अर्जित लाभ को प्रचालन लाभ कहते हैं। प्रचालन आय में से प्रचालन व्यय घटाने पर प्रचालन लाभ प्राप्त होता है। इसकी गणना करते समय गैर-परिचालन या अप्रचालन आय तथा व्ययों (Non-operating Income and Expenses) या असंगत लेन-देनों एवं व्यय जो कि विशद्ध वित्तीय प्रकृति के होते हैं, को नहीं लिया जाता है। प्रचालन लाभ कर एवं ब्याज से पूर्व का लाभ होता है। इसकी गणना करते समय असामान्य मदों (जैसे अग्नि से मशीन नष्ट होना) को भी नहीं लिया जाता है। इसकी गणना निम्न प्रकार की जाती है

परिचालन लाभ = शुद्ध लाभ या निवल लाभ + गैर-परिचालन व्यय या अप्रचालन व्यय - गैर-परिचालन

आय या प्रचालन आय Operating Profit = Net Profit + Non-operating Expenses - Non-operating Incomes

परिचालन लाभ की गणना सकल लाभ में से परिचालन व्यय घटाकर भी की जा सकती है। परिचालन व्यय व्यवसाय के सामान्य संचालन से सम्बन्धित होते हैं। जैसे - कार्यालय व्यय, विक्रय व वितरण व्यय आदि।

परिचालन लाभ = सकल लाभ - परिचालन व्यय

Operating Profit = Gross Profit - Operating Expenses

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 वित्तीय विवरण क्या होते हैं? ये क्या सूचनाएँ प्रदान करते हैं?

उत्तर – वित्तीय विवरण-प्रत्येक व्यापारी अपने व्यापार की लाभ-हानि तथा आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त करना चाहता है। प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकों, खाताबही व तलपट से ये जानकारियाँ प्राप्त करना सम्भव नहीं है। इसलिए व्यापारी तलपट की सहायता से ऐसे खाते व विवरण तैयार करता है जिनसे व्यापार की लाभ-हानि व आर्थिक स्थिति का ज्ञान हो सके। इन खातों व विवरण को ही वित्तीय विवरण के नाम से जाना जाता है। अन्य शब्दों में, वित्तीय विवरण वह विवरण है जो किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान की प्रक्रिया पर आवर्तीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है तथा दिये गये

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

समयावधि में अपने उद्देश्यों की प्राप्ति को प्रदर्शित करता है। वित्तीय विवरण प्रायः लेखावर्ष या वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर बनाये जाते हैं।

वित्तीय विवरण में निम्नलिखित विवरण व खाते तैयार किये जाते हैं:

- व्यापारिक खाता,
- लाभ-हानि खाता,
- तुलन-पत्र।

वित्तीय विवरणों से प्राप्त होने वाली सूचनाएँ:

(1) व्यापारिक खाते से प्राप्त होने वाली सूचनाएँ:

- सकल लाभ एवं उनकी दर
- प्रत्यक्ष खर्चे
- व्यापार के निवल अथवा शुद्ध क्रय, निवल विक्रय एवं रहतिये की जानकारी।

(2) लाभ-हानि खाते से प्राप्त होने वाली सूचनाएँ:

- निवल लाभ या हानि की जानकारी
- निवल लाभ की दर
- समस्त अप्रत्यक्ष व्ययों की जानकारी

(3) तुलन-पत्र से प्राप्त होने वाली सूचनाएँ:

- व्यापार की आर्थिक स्थिति।
- रोकड़ व बैंक शेष, व्यापार के निवल लाभ, आहरण, पूँजी में कमी या वृद्धि।
- देनदारों व प्राप्य बिलों की राशि।
- लेनदारों व देय बिलों की राशि।
- वर्ष के अन्त में अदत्त व्यय, पूर्वदत्त व्यय, उपार्जित आय व अनुपार्जित आय की राशि।
- व्यापार की अन्य देयताओं तथा परिसम्पत्तियों की जानकारी।
- विभिन्न प्रकार के कोष एवं संचयों की राशि।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 2 अंतिम प्रविष्टियाँ क्या होती है? अंतिम प्रविष्टियों के चार उदाहरण दें।

अथवा

अन्तिम प्रविष्टियों से आप क्या समझते हैं? मुख्य जर्नल में की जाने वाली विभिन्न अन्तिम प्रविष्टियों को समझाइये।

उत्तर – अन्तिम प्रविष्टियाँ (Closing Entries) प्रत्येक व्यवसाय में लेखा वर्ष के दौरान हुए विभिन्न व्यवहारों का जर्नल में लेखा करने के पश्चात् उनकी खाताबही में खतौनी की जाती है। इसके पश्चात् वर्ष के अन्त में विभिन्न खातों को बन्द करके खातों के शेषों की सहायता से अन्तिम खाते तैयार किये जाते हैं। व्यक्तिगत खातों (देनदार व लेनदार खाते) तथा सम्पत्तियों व दायित्वों के खातों के लिए अन्तिम प्रविष्टियाँ आवश्यक नहीं होती हैं । इन खातों का शेष निकालकर इन्हें चिट्ठे के सम्पत्ति या दायित्व पक्ष में दिखाते हैं। जिन खातों का डेबिट शेष होता है उन्हें चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में तथा क्रेडिट शेष वाले खातों को दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है।

इसके अतिरिक्त नाममात्र के खातों (Nominal Accounts) को अन्तिम प्रविष्टि के माध्यम से बन्द कर दिया जाता है जिसके प्रभाव से इन सभी नाममात्र खातों का अन्तिम शेष व्यापारिक व लाभ-हानि खाते में दिखाया जाता है। खाता बही में खुले हुए नाममात्र के खातों को बन्द करने के लिए जो प्रविष्टियाँ की जाती हैं उन्हें ही अन्तिम प्रविष्टियाँ कहते हैं। अन्य शब्दों में, वित्तीय वर्ष के अन्त में नाममात्र या अवास्तविक खातों के शेषों को व्यापार खाता एवं लाभ-हानि खाते में जिन प्रविष्टियों के द्वारा स्थानान्तरित किया जाता है, उन्हें अन्तिम प्रविष्टियाँ कहते हैं । अन्तिम,प्रविष्टियों में सकल लाभ या सकल हानि तथा शुद्ध लाभ या शुद्ध हानि को हस्तान्तरित की जाने वाली प्रविष्टियाँ भी शामिल होती हैं।

निम्न खातों को अन्तिम प्रविष्टियों के द्वारा बन्द किया जाता है:

1. व्यापार खाते के डेबिट पक्ष में दिखाये जाने वाले खाते;
2. व्यापार खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाये जाने वाले खाते;
3. क्रय वापसी व विक्रय वापसी खाता;
4. लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में दिखाये जाने वाले खाते;

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

5. लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाये जाने वाले खाते;
6. आहरण खाता।

सारांश रूप में अन्तिम प्रविष्टियाँ निम्न प्रकार की जाती हैं:

1. व्यापार खाते की डेबिट पक्ष की मदों के लिए

Trading a/c Dr.
To Opening Stock a/c
To Purchases a/c (शुद्ध क्रय की राशि से)
To Manufacturing Expenses a/c
To Carriage Inward a/c
To Wages a/c
To Motive Power a/c
To Coal & Fuel a/c
To Gas & Water a/c
(Accounts having debit balances closed by transfer to trading a/c)

2. व्यापार खाते की क्रेडिट पक्ष की मदों के लिए

Sales a/c Dr.
Closing Stock a/c Dr.
To Trading a/c
(Being transfer of various credit balances to trading a/c)

3. क्रय वापसी खाते के लिए

Purchase Returns a/c Dr.
To Purchases a/c
(Balance transferred)

4. विक्रय वापसी खाते के लिए

Sales a/c Dr.
To Sales Returns a/c
(Balance transferred)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नोट; व्यवहार में क्रय वापसी को कुल क्रय की राशि में से घटा दिया जाता है एवं विक्रय वापसी को कुल विक्रय की राशि में से घटा दिया जाता है। क्रय वापसी एवं विक्रय वापसी को व्यापार खाते में हस्तान्तरित करने पर क्रय वापसी को व्यापार खाते के जमा पक्ष में एवं विक्रय वापसी को नाम पक्ष में दिखाया जा सकता है।

5. सकल लाभ के लिए अन्तिम प्रविष्टि:

Trading a/c Dr.
    To P & L a/c
(Gross Profit transferred)

6. सकल हानि के लिए अन्तिम प्रविष्टि:

P & L a/c Dr.
    To Trading a/c
(Gross Loss transferred)

7. लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष की मदों के लिए:

P & L a/c Dr.
    To Interest on Loan a/c
    To Rent a/c
    To Commission a/c
    To Salary a/c
    To Discount a/c
    To Depreciation a/c
    To Insurance Premium a/c
    To Administrative Expenses a/c
    To Selling Expenses a/c
(Accounts having debit balances closed by transfer to P & L a/c)

8. लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष की मदों के लिए:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Discount Received a/c Dr.
Commission Received a/c Dr.
Interest Received a/c Dr.
To P & L a/c
(Accounts having credit balances closed by transfer to P & L a/c)

9. शुद्ध लाभ के लिए अन्तिम प्रविष्टि:

P & L a/c Dr.
To Capital a/c
(Net Profit transferred)

10. शुद्ध हानि के लिए अन्तिम प्रविष्टि:

Capital a/c Dr.
To P & L a/c
(Net Loss transferred)

11. आहरण खाते को बन्द करने के लिए:

Capital a/c Dr.
To Drawings a/c
(Balance of Drawings a/c transferred)

यदि आहरण पर ब्याज है तो इस खाते का शेष सर्वप्रथम आहरण पर ब्याज खाते के आहरण खाते में स्थानान्तरित किया जायेगा तथा इस कारण आहरण खाते का योग बढ़ जायेगा। इसकी निम्न प्रविष्टि की जाती है

Drawings a/c Dr.
To Interest on Drawings a/c
(Balance transferred)

प्रश्न 3 तुलन-पत्र की उपयोगिता की व्याख्या करें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – तुलन-पत्र (Balance Sheet) की उपयोगिता-तुलन-पत्र एक तिथि विशेष (प्रायः वर्ष के अन्त में) पर परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों की वित्तीय स्थिति को ज्ञात करने के लिए तैयार किया जाता है। इसकी उपयोगिता निम्न प्रकार है

1. तुलन-पत्र से व्यापार की वित्तीय/आर्थिक स्थिति की जानकारी मिलती है।
2. तुलन-पत्र के द्वारा रोकड़ व बैंक शेष, व्यापार के शुद्ध लाभ, आहरण, पूँजी में कमी या वृद्धि की जानकारी प्राप्त होती है।
3. व्यापार के देनदारों व प्राप्य बिलों (Bills Receivable) से प्राप्त होने वाली राशि की जानकारी होती है। (4) व्यापार के लेनदारों व देय बिलों (Bills Payable) को भुगतान की जाने वाली राशि ज्ञात होती है।
4. वर्ष के अन्त में अदत्त व्यय, पूर्वदत्त व्यय, उपार्जित आय व अनुपार्जित आय की राशि की जानकारी मिलती है।
5. नये वर्ष के प्रारम्भ में प्रारम्भिक प्रविष्टियाँ पिछले वर्ष के अन्त में बनाये गये तुलन-पत्र की सहायता से ही की जाती हैं।
6. व्यापार की स्थायी सम्पत्तियों का मूल्यांकन व वर्ष के अन्त में बचे हुए अन्तिम स्टॉक की जानकारी भी तुलन-पत्र से मिलती है।
7. व्यापार के अल्पकालीन व दीर्घकालीन दायित्वों की राशि ज्ञात करने हेतु तथा इनके द्वारा व्यापार की अल्पकालीन व दीर्घकालीन शोधन क्षमता (भुगतान करने की क्षमता) की जाँच करने हेतु भी तुलन-पत्र उपयोगी है।
8. तुलन-पत्र से प्राप्त जानकारियाँ आन्तरिक उपयोगकर्ताओं के साथ-साथ बाह्य उपयोगकर्ताओं के लिए भी बहुत उपयोगी होती हैं।

प्रश्न 4 संपत्ति व दायित्वों के क्रमबद्धीकरण व समूहीकरण का क्या अर्थ है? तुलन-पत्र को किस प्रकार क्रमबद्ध किया जा सकता है? इसकी व्याख्या करें।

उत्तर – सम्पत्तियों व दायित्वों का क्रमबद्धीकरण-तुलन-पत्र अथवा चिट्ठे में सम्पत्तियों व दायित्वों को एक विशेष क्रम में दिखाया जाता है। इसे ही सम्पत्तियों व दायित्वों का क्रमबद्धीकरण कहते हैं। यह क्रमबद्धीकरण दो प्रकार से होता है:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

1. तरलता क्रम,
2. निष्पादन या स्थायित्व क्रम।

(i) तरलता क्रम (Liquidity Order): इस क्रम के अन्तर्गत सम्पत्तियों को शीघ्रता से तरल होने या रोकड में परिवर्तित किये जा सकने वाले क्रम में दिखाया जाता है। जैसे सबसे अधिक तरल सम्पत्ति नकद शेष को सर्वप्रथम तथा अन्त में स्थायी सम्पत्तियों, ख्याति व पेटेन्ट को दिखाया जाता है। इसी प्रकार दायित्वों को उनके भुगतान की तीव्रता के अनुसार लिखा जाता है। सबसे पहले भुगतान करने वाले दायित्व को पहले लिखा जाता है। जैसे--इस क्रम के अनुसार बैंक अधिविकर्ष को सबसे पहले व पूँजी को सबसे अन्त में दिखाया जायेगा।

Balance Sheet as on ....

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Current Liabilities :			**Current Assets :**		
Bank Overdraft		....	Cash in Hand		....
Collected Sales Tax		....	Cash at Bank		....
Bills Payable		....	Bills Receivable		....
Outstanding Expenses		....	Sundry Debtors		....
Sundry Creditors		....	Accrued Income		....
Income received in advance		....	**Stock :**		
Long Term Liabilities :			Finished Stock	....	
Bank Loan		....	Work-in-progress	....	
Loan on Mortgage		....	Raw Material	....	....
Capital	....		**Fixed Assets :**		
Add : Net Profit	....		Furniture		....
or			Plant & Machinery		....
Less : Net Loss	....		Building		....
Less : Drawings	....		Patents		....
Less : Income-tax	....	....	Goodwill		....
		....			....

(ii) निष्पादन या स्थायित्व क्रम (Permanance Order) : यह क्रम तरलता क्रम के बिल्कूल विपरीत होता इस क्रम के अनुसार सर्वप्रथम स्थायी सम्पत्तियाँ, उसके बाद चल-सम्पत्तियाँ व अन्त में तरल सम्पत्तियाँ (रोकड़ व बैंक शेष) दिखाई जाती हैं। दायित्व पक्ष में सर्वप्रथा पूँजी, उसके बाद दीर्घकालीन दायित्व तथा अन्त में चालू दायित्व

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

को दर्शाया जाता है।

स्थायित्व क्रम में चिट्ठे का प्रारूप निम्न प्रकार है:

Balance Sheet as on.........

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Capital	....		**Fixed Assets :**		
Add : Net Profit	....		Goodwill		....
or			Patents		....
Less : Net Loss	....		Building		....
Less : Drawings	....		Plant & Machinery		....
Less : Income-tax	....	....	Furniture		....
Long Term Liabilities :			Investments		....
Loan on Mortgage		....	**Current Assets :**		
Bank Loan		....	Prepaid Expenses		....
Current Liabilities :			**Stock :**		
Income received in advance		....	Raw Material	....	
Sundry Creditors		....	Work-in-progress	....	
Outstanding Expenses		....	Finished Goods	....	....
Bills Payable		....	Accrued Income		....
Collected Sales Tax		....	Sundry Debtors		....
Bank Overdraft		....	Bills Receivable		....
			Cash at Bank		....
			Cash in Hand		....
		....			....

SHIVOM CLASSES 8696608541

नोट: एकाकी व्यापारी तथा साझेदारी फर्म सामान्यतया तरलता क्रम में तुलन-पत्र तैयार करती हैं यद्यपि ऐसा करना आवश्यक नहीं है। कम्पनियों को कम्पनी अधिनियम, 1956 के अनुसार तुलन-पत्र स्थायित्व क्रम में बनाना अनिवार्य है।

सम्पत्तियों व दायित्वों का समूहीकरण-समूहीकरण से तात्पर्य यह है कि समान प्रकृति की मदों को एकरू शीर्षक के अन्तर्गत रखना। उदाहरणार्थ-बैंक, रोकड़, स्ट्रॉक, देनदारों व प्राप्य विपत्र को चालू परिसम्पत्ति शीर्षक तथा स्थायी सम्पत्तियों (जैसे-प्लाण्ट व मशीन तथा फर्नीचर आदि) व दीर्घकालीन निवेश (विनियोग) को गैर-चालू सम्पत्तियों शीर्षक के अन्तर्गत प्रदर्शित किया जाता है। लेनदार, देय बिल, बैंक अधिविकर्ष, कर आयोजन आदि मदों को चालू दायित्व व आयोजन

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

शीर्षक में तथा पूँजी, संचय व लाभ को स्वामित्व कोष शीर्षक में दर्शाया जाता है। दीर्घकालीन ऋण व ऋण-पत्र को गैर-चालू दायित्व शीर्षक में दर्शाया जाता है।

आंकिक प्रश्न:

प्रश्न 1 नीचे दिये गये शेषों को सिम्मी व विम्मी लि. की पुस्तक से लिया गया है। 31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए खाते वर्ष के लिये, सकल लाभ की गणना करें।

अंतिम स्टॉक (Closing Stock)	2,50,000
एक साल में शुद्ध विक्रय (Net Sales during the year)	40,00,000
एक साल में शुद्ध क्रय (Net Purchases during the year)	15,00,000
प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock)	15,00,000
प्रत्यक्ष व्यय (Direct Expenses)	80,000

उत्तर –

Books of Simmi and Vimmi Ltd.

Dr. Trading Account for the year ended March 31, 2017 Cr.

Expenses/Losses	Amount ₹	Revenues/Gains	Amount ₹
To Opening Stock	15,00,000	By Net Sales	40,00,000
To Net Purchases	15,00,000	By Closing Stock	2,50,000
To Direct Expenses	80,000		
To Gross Profit (*Bal. Figure*)	11,70,000		
	42,50,000		42,50,000

प्रश्न 2 मै आहूजा और नन्दा की पुस्तकों से नीचे दिये गये शेषों को लिया गया है। राशि की गणना करें।

(अ) बेचने के लिये उपलब्ध माल की लागत

(ब) एक साल में बेचे गये माल की लागत

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(स) सकल लाभ प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock)

प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock)	25,000
उधार क्रय (Credit Purchases)	7,50,000
नकद पर क्रय (Cash Purchases)	3,00,000
उधार विक्रय (Credit Sales)	12,00,000
नकद विक्रय (Cash Sales)	4,00,000
मजदूरी (Wages)	1,00,000
तन (Salaries)	1,40,000
अंतिम स्टॉक (Closing Stock)	30,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

उत्तर – (a) Cost of goods available for sale or Cost of goods manufactured:

= Opening Stock + Net Purchases + Wages = 25,000 + (7,50,000 + 3,00,000 - 10,000) + 1,00,000 = 25,000 + 10,40,000 + 1,00,000

= 11,65,000

(b) Cost of goods sold during the year:

= Opening Stock + Net Purchases + Wages - Closing Stock = 25,000 + 10,40,000 + 1,00,000 - 30,000

= 11,35,000

(c) Gross Profit:

= Net Sales - Cost of Goods sold during the year = (12,00,000 + 4,00,000 - 50,000) - 11,35,000 = 15,50,000 - 11,35,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

= 4,15,0000

प्रश्न 3 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये मै. राजीव एण्ड सन्स की पुस्तकों से लिये गये शेषों के आधार पर सकल लाभ तथा प्रचालन लाभ की राशि की गणना करें।

प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock)	150,000
निवल विक्रय (Net Sales)	11.00,000
निवल क्रय (Net Purchases)	16,00,000
प्रत्यक्ष व्यय (Direct Expenses)	60,000
प्रशासनिक व्यय (Administration Expenses)	45,000
बिक्री व वितरण व्यय (Selling and Distribution Expenses)	65,000
आग द्वारा हानि (Loss due to fire)	20,000
अंतिम स्टॉक (Closing Stock)	70,000

उत्तर –

Books of M/s Rajiv & Sons

Dr. Trading Account for the year ended 31 March, 2017 Cr.

Expenses/Losses	Amount ₹	Revenues/Gains	Amount ₹
To Opening Stock	50,000	By Net Sales	11,00,000
To Net Purchases	6,00,000	By Closing Stock	70,000
To Direct Expenses	60,000		
To Gross Profit (*Bal. Figure*)	4,60,000		
	11,70,000		11,70,000

प्रचालन लाभ (Operating Profit):

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

= Gross Profit - (Administration Exp. + Selling & Distribution Exp.) = 4,60,000 - (45,000 + 65,000) 3 4,60,000 - 1,10,00)

= ₹3,50,000

प्रश्न 4 मै. अरोरा व सचदेवा ने 2016-17 में प्रचालन लाभ 17,00,000 रु. अर्जित किया था। इसकी अप्रचालन आय 1,50,000 रु. तथा अप्रचालन व्यय 3,75,000 रु. थी। कम्पनी द्वारा प्राप्त निवल लाभ की गणना करें।

उत्तर – निवल लाभ (Net Profit):

= Operating Profit + Non-operating Income – Non-operating Expenses = 17,00,000 + 1,50,000 - 3,75,000

= ₹ 14,75,000

प्रश्न 5 31 मार्च, 2017 को मै. भोला एण्ड सन्स के तलपट से निम्नलिखित को लिया गया है।

खाते का नाम	नाम ₹	जमा ₹
प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock)	2,00,000	
क्रय (Purchases)	8,10,000	
विक्रय (Sales)		10,10,000
	10,10,000	10,10,000

(केवल प्रासंगिक मदें)

इस तिथि का अंतिम स्टॉक का मूल्य 3,00,000 रु. था।

आप आवश्यकतानुसार रोजनामचा प्रविष्टियों को दर्ज करें और उपरोक्त मदों की व्यापारिक और लाभ व हानि तथा तुलन-पत्र को मै. भोला एण्ड सन्स के लिये कैसे तैयार करेंगे।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of M/s Bhola & Sons
Journal

Date	Particulars	L.F.	Debit ₹	Credit ₹
2017				
31 March	Trading A/c Dr.		10,10,000	
	To Opening Stock a/c			2,00,000
	To Purchases a/c			8,10,000
	Being the balances transferred to Trading a/c)			
31 March	Sales a/c Dr.		10,10,000	
	Closing Stock a/c Dr.		3,00,000	
	To Trading a/c			13,10,000
	(Being the balances transferred to Trading a/c)			
31 March	Trading a/c Dr.		3,00,000	
	To Profit & Loss a/c (Gross Profit)			3,00,000
	(Being the gross profit transferred to P & L a/c)			

Dr. Trading and P & L Account for the year ended 31st March, 2017 Cr.

Expenses/Losses	Amount ₹	Revenues/Gains	Amount ₹
To Opening Stock	2,00,000	By Sales	10,10,000
To Purchases	8,10,000	By Closing Stock	3,00,000
To Gross Profit transferred to P & L a/c	3,00,000		
	13,10,000		13,10,000
		By Gross Profit transferred from Trading a/c	3,00,000

Balance Sheet as on 31st March, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
		Closing Stock	3,00,000

प्रश्न 6 31 मार्च, 2017 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

खाते का नाम	राशि ₹
मशीनरी (Machinery)	27,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विविध देनदार (Sundry Debtors)	21,600
आहरण (Drawings)	2,700
क्रय (Purchases)	58,500
मजदूरी (Wages)	15,000
विविध व्यय (Sundry Expenses)	600
किराया व कर (Rent & Taxes)	1,350
आंतरिक दुलाई (Carriage Inwards)	450
बैंक (Bank)	4,500
प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock)	6,000
पूँजी (Capital)	60,000
देय विपत्र (Bills Payable)	2,800
विविध लेनदार (Sundry Creditors)	1,400
विक्रय (Sales)	73,500

उत्तर –

Trading and Profit & Loss A/c
for the year ended March 31, 2017

Dr. | **Cr.**

Expenses/Losses	Amount ₹	Revenues/Gains	Amount ₹
To Opening Stock	6,000	By Sales	73,500
To Purchases	58,500	By Closing Stock	22,400
To Wages	15,000		
To Carriage Inwards	450		
To Gross Profit c/d	15,950		
	95,900		95,900
To Sundry Expenses	600	By Gross Profit b/d	15,950
To Rent & Taxes	1,350		
To Net Profit (transferred to Capital a/c)	14,000		
	15,950		15,950

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Balance Sheet as on March 31, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital	60,000		Machinery	27,000
Add : Net Profit	14,000		Sundry Debtors	21,600
Less : Drawings	(2,700)	71,300	Closing Stock	22,400
Sundry Creditors		1,400	Bank	4,500
Bills Payable		2,800		
		75,500		75,500

प्रश्न 7 31 मार्च, 2017 को मै. राम की पुस्तकों से निम्नलिखित तलपट को लिया गया है, इस तिथि के अनुसार आप व्यापारिक व लाभ और हानि खाता तथा तुलन-पत्र को तैयार करेंगे।

खाते का नाम	राशि ₹
मशीनरी (Machinery)	12,000
विविध देनदार (Sundry Debtors)	50,000
आहरण (Drawings)	6,000
क्रय (Purchases)	11.000
मजदूरी (Wages)	9,000
विविध व्यय (Sundry Expenses)	4,000
किराया व कर (Rent & Taxes)	3,000
आंतरिक दुलाई (Carriage Inwards)	500
बैंक (Bank)	1,000
प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock)	6,000
पूँजी (Capital)	500
देय विपत्र (Bills Payable)	1,000
विविध लेनदार (Sundry Creditors)	5,000
विक्रय (Sales)	10,000

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of M/s Ram
Trading and Profit & Loss A/c
for the year ended March 31, 2017

Dr. Expenses/Losses	Amount ₹	Revenues/Gains		Cr. Amount ₹
To Purchases	50,000	By Sales	80,000	
To Coal, Gas and Water	6,000	By Closing Stock	– 1,000	79,000
To Factory Wages	11,000			
To Gross Profit c/d	12,000			
	79,000			79,000
To Salaries	9,000	By Gross Profit b/d		12,000
To Rent	4,000	By Apprenticeship Premium		5,000
To Discount	3,000			
To Advertisement	500			
To Net Profit (transferred to Capital a/c)	500			
	17,000			17,000

Balance Sheet as at March 31, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital	20,000		Machinery	5,000
Add : Net Profit	500		Land and Building	10,000
Less : Drawings	(1,000)		Furniture	9,900
Less : Income Tax	(100)	19,400	Loan	6,000
Loan		10,000	Debtors	12,000
Creditors		13,000	Petty Cash	500
Bank Overdraft		1,000		
		43,400		43,400

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 8 31 मार्च, 2017 को निम्नलिखित तलपट जो मंजू चावला का है। इसी तिथि के अनुसार आप इसकी व्यापारिक और लाभ व हानि खाता और तुलन-पत्र को तैयार करेंगे।

खाते का नाम	नाम राशि ₹	जमा राशि ₹
प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock)	10,000	-
क्रय व विक्रय (Purchases and Sales)	40,000	80,000
वापसियाँ (Returns)	200	600
उत्पादक मजदूरी (Productive Wages)	6,000	-

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

गोदी एवं निकासी (Dock and Clearing Charges)	4,000	-
दान व चंदा व्यय (Donation and Charity Expenses)	600	-
वितरण वैन व्यय (Delivery Van Expenses)	6,000	-
बिजली (Lighting)	500	-
बिक्री कर संग्रहण (Sales tax collected)	600	1,000
डूबत ऋण (Bad lebts)	4,000	-
विविध आय (Misc. Incomes)	2,000	6,000
भवन का किराया (Rent from tenants)	6,700	2,000
रॉयल्टी (Royalty)	3,000	-
पूँजी (Capital)	6,000	40,000
आहरण (Drawings)	4,000	-
देनदार और लेनदार (Debtors and Creditors)	43,000	7,000
रोकड़ (Cash)	10,000	-
निवेश (Investment)	40,000	-
पेटेंट (Patents)	200	-
भूमि व मशीनरी (Land and Machinery)	6,000	-

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Manju Chawla
Trading and Profit & Loss Account
for the year ended March 31, 2017

Dr. Expenses/Losses		Amount ₹	Revenues/Gains		Amount ₹ Cr.
To Opening Stock		10,000	By Sales	80,000	
To Purchases	40,000		*Less* : Returns	– 200	79,800
Less : Returns	– 600	39,400	By Closing Stock		2,000
To Productive Wages		6,000			
To Dock and Clearing Charges		4,000			
To Royalty		4,000			
To Gross Profit c/d		18,400			
		81,800			81,800
To Donation and Charity Expenses		600	By Gross Profit b/d		18,400
To Delivery Van Expenses		6,000	By Misc. Income		6,000
To Lighting		500	By Rent		2,000
To Bad debts		600			
To Net Profit (Transferred to Capital a/c)		18,700			
		26,400			26,400

Balance Sheet as at March 31, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital	40,000		Patents	4,000
Add : Net Profit	18,700		Land and Building	43,000
Less : Drawings	(2,000)	56,700	Investments	6,000
Creditors		7,000	Debtors	6,700
Sales Tax Collected		1,000	Closing Stock	2,000
			Cash	3,000
		64,700		64,700

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 9 31 मार्च, 2017 को निम्नलिखित तलपट जो मिस्टर दीपक का है। इस तिथि के अनुसार आप इसका व्यापारिक व लाभ और हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करेंगे।

खाते का नाम	नाम राशि ₹
आहरण (Drawings)	36,000
बीमा (Insurance)	3,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

सामान्य व्यय (General Expenses)	29,000
किराया व कर (Rent and Taxes)	14,400
फैक्टरी की बिजली (Lighting of Factory)	2,800
यात्रा व्यय (Travelling Expenses)	7,400
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in hand)	12,600
प्राप्य विपत्र (Bills Receivable)	5,000
विविध देनदार (Sundry Debtors)	1,04,000
फर्नीचर (Furniture)	16,000
प्लांट व मशीनरी (Plant & Machinery)	1,80,000
प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock)	40,000
क्रय (Purchases)	1,60,000
विक्रय वापसी (Sales Returns)	6,000
आंतरिक ढुलाई (Carriage Inwards)	7,200
बाह्य ढुलाई (Carriage Outwards)	1,600
मजदूरी (Wages)	84,000
वेतन (Salaries)	53,000
पूँजी (Capital)	2,50,000
देय विपत्र (Bills Payable)	3,600
लेनदार (Creditors)	50,000
प्राप्त बट्टा (Discount Received)	10,400
क्रय वापसी (Purchases Return)	8,000
विक्रय (Sales)	4,40,000

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Mr. Deepak
Trading and Profit & Loss Account
for the year ended March 31, 2017

Dr. | Cr.

Expenses/Losses		Amount ₹	Revenues/Gains		Amount ₹
To Opening Stock		40,000	By Sales	4,40,000	
To Purchases	1,60,000		*Less* : Sales Returns	6,000	4,34,000
Less : Returns	8,000	1,52,000	By Closing Stock		35,000
To Lighting (Factory)		2,800			
To Carriage Inwards		7,200			
To Wages		84,000			
To Gross Profit c/d		1,83,000			
		4,69,000			4,69,000
To Insurance		3,000	By Gross Profit b/d		1,83,000
To General Expenses		29,000	By Discount Received		10,400
To Rent and Taxes		14,400			
To Travelling Expenses		7,400			
To Carriage Outwards		1,600			
To Salaries		53,000			
To Net Profit (Transferred to Capital a/c)		85,000			
		1,93,400			1,93,400

Balance Sheet
as at March 31, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital	2,50,000		Plant and Machinery	1,80,000
Add : Net Profit	85,000		Furniture	16,000
Less : Drawings	(36,000)	2,99,000	Sundry Debtors	1,04,000
Sundry Creditors		50,000	Bills Receivable	5,000
Bills Payable		3,600	Closing Stock	35,000
			Cash in Hand	12,600
		3,52,600		3,52,600

प्रश्न 10 31 मार्च, 2017 को निम्नलिखित दिये गये विवरण से व्यापारिक और लाभ व हानि खाता व तुलन-पत्र को तैयार करें।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

क्रय एवं विक्रय (Purchases and Sales)	नाम राशि	जमा राशि
क्रय वापसी एवं विक्रय वापसी (Return Inwards and Return Outwards)	3,52,000	5,60,000
आंतरिक ढुलाई (Carriage Inwards)	9,600	12,000
बाह्य ढुलाई (Carriage Outwards)	7.000	
ईंथधन और ऊर्जा (Fuel and Power)	3,360	
प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock)	24,800	
डूबत ऋृण (Bad Debts)	57,600	
देनदार और लेनदार (Debtors and Creditors)	9,950	48,000
पूँजी (Capital)	1,31,200	3,48,000
निवेश (Investment)		
निवेश पर ब्याज (Interest on Investment)		3,200
ऋण (I oan)	32,000	16,000
मरम्मत (Repairs)	2,400	
सामान्य व्यय (General Expenses)	17,000	
मजदूरी एवं वेतन (Wages and Salaries)	28,800	
भूमि व भवन (L.and and Building)	2,88,000	
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	32,000	
विविध प्राप्तियाँ (Miscellaneous Receipts)		160
बिक्री कर संग्रहण (Sales and Collected)		8,350

उत्तर –

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Trading and Profit & Loss Account
for the year ended March 31, 2017

Dr. Expenses/Losses		Amount ₹	Revenues/Gains		Amount ₹ Cr.
To Opening Stock		57,600	By Sales	5,60,000	
To Purchases	3,52,000		*Less* : Sales Returns	9,600	5,50,400
Less : Return Outwards	– 12,000	3,40,000	By Closing Stock		30,000
To Carriage Inwards		7,000			
To Fuel and Power		24,800			
To Wages and Salaries		28,800			
To Gross Profit c/d		1,22,200			
		5,80,400			5,80,400
To Carriage Outwards		3,360	By Gross Profit b/d		1,22,200
To Bad Debts		9,950	By Interest on Investment		3,200
To Repairs		2,400	By Miscellenous Receipts		160
To General Expenses		17,000			
To Net Profit (Transferred to Capital a/c)		92,850			
		1,25,560			1,25,560

Balance Sheet
as at March 31, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital	3,48,000		Land and Building	2,88,000
Add : Net Profit	92,850	4,40,850	Investment	32,000
Loan		16,000	Debtors	1,31,200
Creditors		48,000	Closing Stock	30,000
Sales Tax Collected		8,350	Cash in Hand	32,000
		5,13,200		5,13,200

प्रश्न 11 31 मार्च, 2017 को मिस्टर ए. लाल के निम्नलिखित तलपट से व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र को तैयार करें।

खाते का नाम	नाम राशि ₹	जमा राशि ₹
1 अप्रैल 2016 को स्टॉक (Stock as on April 01, 2016)	16,000	
क्रय व विक्रय (Purchases and Sales)	67,600	1,12,000
आंतरिक व बाह्य वापसी (Return Inwards and Outwards)	4,600	3,200

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

आंतरिक ढुलाई (Carriage Inwards)	1,400	
सामान्य व्यय (General Expenses)	2,400	
डूबत ऋण (Bad Debts)	600	
प्राप्त बट्टा (Discount Received)	600	1,400
बैंक अधिविकर्ष (Bank Overdraft)	4,000	10,000
बैंक अधिविकर्ष पर ब्याज (Interest on Bank Overdraft)	200	
प्राप्त कमीशन (Commission Received)	8,800	1,800
बीमा व कर (Insurance and Taxes)	4,000	16,000
दुपहिया व्यय (Scooter Expenses)	8,000	
वेतन (Salaries)	5,200	
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	65,000	
दुपहिया (Scooter)	6,000	
फर्नीचर (Furniture)	5,700	
भवन (Building)	16,000	
देनदार व लेनदार (Debtors and Creditors)	67,600	16,000
पूँजी (Capital)	4,600	50,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

उत्तर –

Trading and Profit & Loss Account
for the year ended March 31, 2017

Dr. **Cr.**

Expenses/Losses		Amount ₹	Revenues/Gains		Amount ₹
To Opening Stock		16,000	By Sales	1,12,000	
To Purchases	67,600		*Less* : Returns Inwards	– 4,600	1,07,400
Less : Return Outwards	– 3,200	64,400	By Closing Stock		15,000
To Carriage Inwards		1,400			
To Gross Profit c/d		40,600			
		1,22,400			1,22,400
To General Expenses		2,400	By Gross Profit b/d		40,600
To Bad Debts		600	By Discount Received		1,400
To Interest on Bank Overdraft		600	By Commission Received		1,800

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

To Insurance and Taxes	4,000		
To Scooter Expenses	200		
To Salaries	8,800		
To Net Profit (Transferred to Capital a/c)	27,200		
	43,800		43,800

Balance Sheet as at March 31, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Bank Overdraft		10,000	Cash in Hand	4,000
Creditors		16,000	Closing Stock	15,000
Capital	50,000		Debtors	6,000
Add : Net Profit	27,200	77,200	Scooter	8,000
			Furniture	5,200
			Building	65,000
		1,03,200		1,03,200

प्रश्न 12 31 मार्च 2017 को मै. रोयल ट्रेडर्स के निम्नलिखित शेषों के द्वारा व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तलन-पत्र को तैयार करें।

नाम शेष	राशि ₹
स्टॉक (Stock)	20,000
रोकड़ (Cash)	5,000
बैंक (Bank)	10,000
क्रय पर दुलाई (Carriage on Purchases)	1,500
क्रय (Purchases)	1,90,000
आहरण (Drawings)	9,000
मजदूरी (Wages)	55,000
मशीनरी (Machinery)	1,00,000
देनदार (Debtors)	27,000
डाक (Postage)	300
विविध व्यय (Sundry Expenses)	1,700

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

किराया (Rent)	4,500
फर्नीचर (Furniture)	35,000
विक्रय (Sales)	2,45,000
लेनदार (Creditors)	10,000
देय विपत्र (Bills Payable)	4,000
पूँजी (Capital)	2,00,000

उत्तर –

Books of M/s Royal Traders
Trading and Profit & Loss Account
for the year ended March 31, 2017

Dr. Cr.

Expenses/Losses	Amount ₹	Revenues/Gains	Amount ₹
To Opening Stock	20,000	By Sales	2,45,000
To Purchases	1,90,000	By Closing Stock	8,000
To Carriage on Purchases	1,400	By Gross Loss c/d	13,500
To Wages	55,000		
	2,66,500		2,66,500
To Gross Loss b/d	13,500	By Net Loss	20,000
To Postage	300	(Transferred to Capital a/c)	
To Sundry Expenses	1,700		
To Rent	4,500		
	20,000		20,000

Balance Sheet
as at March 31, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital	2,00,000		Machinery	1,00,000
Less : Net Profit	(20,000)		Furniture	35,000
Less : Drawings	(9,000)	1,71,000	Debtors	27,000
Creditors		10,000	Closing Stock	8,000
Bills Payable		4,000	Bank	10,000
			Cash	5,000
		1,85,000		1,85,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 13 31 मार्च, 2017 को मैं. नीमा ट्रेड्स के विवरणों से व्यापारिक और लाभ व हानि खाता को तैयार करें।

नाम शेष	नाम राशि
भवन (Buildings)	23,000
प्लांट (Plant)	16,930
आंतरिक ढुलाई (Carriage Inwards)	1,000
मजदूरी (Wages)	3,300
क्रय (Purchases)	1,64.000
विक्रय वापसी (Sales Return)	1,820
प्रारंभिक स्टाक (Opening Stock)	9.000
मशीनरी (Machinery)	2,10,940
बीमा (Insurance)	1,610
ब्याज (Interest)	1,100
डूबत ऋण (Bad Debts)	250
डाक (Postage)	300
बट्टा (Discount)	1,000
वेतन (Salaries)	3,000
देनदार (Debtors)	3,900
विक्रय (Sales)	4,000
ऋण (Loan)	1,80,000
देय विपत्र (Bills Payable)	8,000
बैंक अधिविकर्ष (Bank Overdraft)	2,520
लेनदार (Creditors)	4,720
पूँजी (Capital)	8,000
क्रय वापसी (Purchases Return)	236,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

Books of M/s Neema Traders
Trading and Profit & Loss Account
for the year ended March 31, 2017

Dr. Expenses/Losses		Amount ₹	Revenues/Gains		Amount ₹ Cr.
To Opening Stock		9,000	By Sales	1,80,000	
To Purchases	1,64,000		*Less* : Sales Returns	– 1,820	1,78,180
Less : Purchases Return	– 1,910	1,62,090	By Closing Stock		16,000
To Carriage Inwards		1,000			
To Wages		3,300			
To Gross Profit c/d		18,790			
		1,94,180			1,94,180
To Insurance		1,610	By Gross Profit b/d		18,790
To Interest		1,100			
To Bad Debts		250			
To Postage		300			
To Discount		1,000			
To Salaries		3,000			
To Net Profit (Transferred to Capital a/c)		11,530			
		18,790			18,790

Balance Sheet
as at March 31, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital	2,36,000		Buildings	23,000
Add : Net Profit	11,530	2,47,530	Plant	16,930
Loan		8,000	Machinery	2,10,940
Sundry Creditors		8,000	Debtors	3,900
Bills Payable		2,520	Closing Stock	16,000
Bank Overdraft		4,720		
		2,70,770		2,70,770

प्रश्न 14 31 मार्च, 2017 को मै. नीलू साड़ी की निम्नलिखित शेषों से व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र को तैयार करें।

नाम शेष	नाम राशि

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock) क्रय (Purchases)	10,000
आंतरिक ढुलाई (Carriage Inwards) वेतन (Salaries)	78,000
कमीशन (Commission)	2,500
मजदूरी (Wages)	30,000
किराया व कर (Rent \& Taxes)	10,000
मरम्मत (Repairs)	11,000
दूरभाष व्यय (Telephone Expenses)	2,800
वैधानिक व्यय (Legal Charges)	5,000
विविध व्यय (Sundry Expenses)	1,400
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in hand)	1,500
देनदार (Debtors)	2,500
मशीनरी (Machinery)	12,000
निवेश (Investments)	30,000
आहरण (Dráwings)	60,000
वेतन (Sales)	90,000
पूँजी (Capital)	4,000
ब्याज (Interest)	1,80,000
कमीशन (Commission)	8,000
लेनदार (Creditors)	28,000
देय विपत्र (Bills Payable)	2,370

SHIVOM CLASSES 8696608541

उत्तर –

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of M/s Nilu Sarees
Trading and Profit & Loss Account
for the year ended March 31, 2017

Dr. **Cr.**

Expenses/Losses	Amount ₹	Revenues/Gains	Amount ₹
To Opening Stock	10,000	By Sales	2,28,000
To Purchases	78,000	By Closing Stock	22,000
To Carriage Inwards	2,500		
To Wages	11,000		
To Gross Profit c/d	1,48,500		
	2,50,000		2,50,000
To Salaries	30,000	By Gross Profit b/d	1,48,500
To Commission	10,000	By Interest	7,000
To Rent and Taxes	2,800	By Commission	8,000
To Repairs	5,000		
To Telephone Expenses	1,400		
To Legal Charges	1,500		
To Sundry Expenses	2,500		
To Net Profit (Transferred to Capital a/c)	1,10,300		
	1,63,500		1,63,500

Balance Sheet
as at March 31, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital	70,000		Machinery	60,000
Add : Net Profit	1,10,300		Investments	90,000
Less : Drawings	(18,000)	1,62,300	Debtors	30,000
Creditors		28,000	Closing Stock	22,000
Bills Payable		2,370	Cash in hand	12,000
Suspense (*Diff. in trial balance*)		21,330		
		2,14,000		2,14,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 15 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये मै. स्पोर्ट्स समान के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र को उस तिथि पर तैयार करें।

प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock)	नाम राशि	जमा राशि
क्रय व विक्रय (Purchases and Sales)	50,000	

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विक्रय वापसी (Sales Returns)	3,50,000	4,21,000
पूँजी (Capital)	5,000	
कमीशन (Commision)	-	3,00,000
लेनदार (Creditors)	-	4,000
बैंक अधिविकर्ष (Bank Overdraft)	-	1,00,000
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	32,000	28,000
फर्नीचर (Furniture)	1,28,000	-
देनदार (Debtors)	1,40,000	-
प्लांट (Plant)	60,000	-
क्रय पर ढुलाई (Carriage on Purchases)	12,000	-
मजदूरी (Wages)	8,000	-
किराया (Rent)	15,000	-
डूबत ऋण (Bad Debts)	7,000	-
आहरण (Drawings)	24,000	-
लेखन सामग्री (Stationery)	6,000	-
यात्रा व्यय (Travelling Expenses)	2,000	-
बीमा (Insurance)	7,000	-
बट्टा (Discount)	5,000	-
कार्यालय व्यय (Office Expenses)	2,000	-

SHIVOM CLASSES 8696608541

उत्तर –

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Trading and Profit & Loss Account
for the year ended March 31, 2017

Dr. | **Cr.**

Expenses/Losses	Amount ₹	Revenues/Gains		Amount ₹
To Opening Stock	50,000	By Sales	4,21,000	
To Purchases	3,50,000	*Less* : Sales Returns	– 5,000	4,16,000
To Carriage on Purchases	12,000	By Closing Stock		2,500
To Wages	8,000	By Gross Loss c/d		1,500
	4,20,000			4,20,000
To Gross Loss b/d	1,500	By Commission		4,000
To Rent	15,000	By Net Loss		41,500
To Bad Debts	7,000	(Transferred to Capital a/c)		
To Stationery	6,000			
To Travelling Expenses	2,000			
To Insurance	7,000			
To Discount	5,000			
To Office Expenses	2,000			
	45,500			45,500

Balance Sheet
as at March 31, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital	3,00,000		Plants	60,000
Less : Net Loss	(41,500)		Furniture	1,28,000
Less : Drawings	(24,000)	2,34,500	Debtors	1,40,000
Creditors		1,00,000	Closing Stock	2,500
Bank Overdraft		28,000	Cash in Hand	32,000
		3,62,500		3,62,500

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)